मुंह के कैंसर पर इंडोको रेमेडीज का जागरूकता अभियान

By **Praveen Rathore** - July 20, 2018

इंदौर। मुंबई की फार्मा कंपनी इंडोको रेमेडीज़ लिमिटेड ने वर्ल्ड हेड एंड नैक कैंसर डे के अवसर पर 27 जुलाई 2018 को मुंबई में 'मुंह के कैंसर की प्रारंभिक जांच' अभियान की घोषणा की। 27 जुलाई से 'मुँह के कैंसर की प्रारंभिक जांच' अभियान सम्पूर्ण भारत में आयोजित किया जा रहा है.

इंडोको का यह अभियान हेल्थ केयर विशेषज्ञों की सहायता से सम्पूर्ण भारत में आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में इंदौर में 20 जुलाई 2018 को एक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. अरुण अग्रवाल, कैंसर रोग विशेषज्ञ, इंदौर और इंडोको से, श्री समीर दैनी, सीनियर डेप्युटी जनरल मैनेजर, कॉर्पोरेट रिलेशन ने मुँह के कैंसर का प्रारंभिक अवस्था में पता लगाने और इसकी रोकथाम के महत्व को समझाते हुए उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

50 प्रतिशत कैंसर सिर और गर्दन के हिस्से में होता है

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है, जो कई तरह का होता है और शरीर के विभिन्न हिस्सों में हो सकता है। कैंसर के सभी प्रकारों में मुंह का कैंसर सबसे आम है और लगभग 50 प्रतिशत कैंसर सिर और गर्दन के हिस्से में पाया जाता है। इनमें से 80 प्रतिशत मामलों

में कैंसर अंतिम अवस्था में पहचाना जाता है, जिससे उसका इलाज बहुत मुश्किल हो जाता है। भारत में सभी प्रकार के कैंसर में से सबसे अधिक मृत्यु, मुंह के कैंसर के कारण होती है। इसकी शुरुआत मुंह में छाले से होती है, जो आसानी से ठीक नहीं होते। इसमें होंठ, जीभ, गाल, कठोर और मुलायम तालू, साइनस और फेरनक्स (गले) के कैंसर शामिल हैं, और अगर समय रहते इनकी पहचान और इलाज नहीं होता, तो यह जीवन के लिए खतरनाक हो सकते हैं।

डॉ. अरुण अग्रवाल, कैंसर रोग विशेषज्ञ, इंदौर ने बताया कि मुंह का कैंसर भारत में आम हैं। यह पुरुषों में लगभग 46त्न एवं महिलाओं में 15 प्रतिशत पाया गया है। 90- 97 प्रतिशत मुँह का कैंसर तम्बाकू के किसी भी रूप में उपयोग के कारण होता है जैसे सिगरेट, गुटका, शीशा, सुपारी, पान मसाला आदि। यह उन लोगों में भी पाया जाता है जो अल्कोहल अधिक लेते है। हालांकि किसी भी स्तर पर मुंह के कैंसर का इलाज किया जा सकता है। लोगों में जागरूकता की कमी के कारण इसका पता अंतिम अवस्था में चलता है जिसकी वजह से बचाव मुश्किल हो जाता है। लेकिन प्रारंभिक अवस्था में ही इसका पता लगा लिया जाए तो उपचार एवं बचाव की संभावना बढ़ जाती है। उन्होने लोगों से आग्रह किया है कि तंबाकू और उससे बनी चीजों से दूर रहे एवं हरी सब्जियाँ, फलों का सेवन अधिक से अधिक करें और स्वस्थ रहें।

Praveen Rathore

https://ghamasan.com